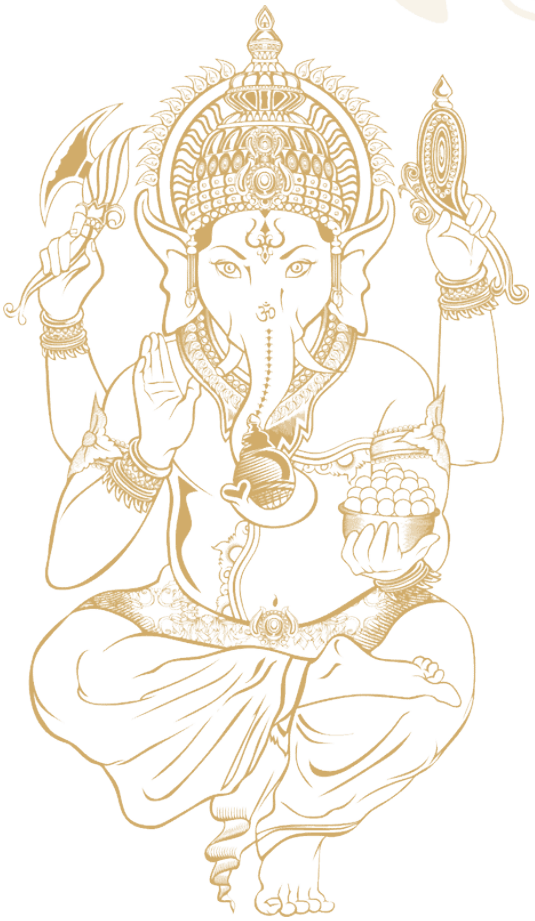

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119063605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/12/1994	जन्म तिथि	29/08/1994
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 22:45:00	जन्म समय	22:15:00 घंटे
घटी 39:14:56	जन्म समय(घटी)	40:43:52 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:01	सूर्योदय	05:57:27
17:24:37	सूर्यास्त	18:46:20
23:47:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 17वर्ष 8मा 6दि	05:43:53	सिंह	लग्न	मेष	24:35:55	चन्द्र 4वर्ष 9मा 22दि
बुध	24:38:02	वृश्चि	सूर्य	सिंह	12:19:33	गुरु
17/08/2012	04:15:24	मीन	चंद्र	वृष	16:55:04	21/06/2024
17/08/2029	05:47:04	सिंह	मंगल	मिथु	14:32:08	21/06/2040
बुध 13/01/2015	22:44:14	वृश्चि	बुध	सिंह	27:17:43	गुरु 09/08/2026
केतु 10/01/2016	06:29:04	वृश्चि	गुरु	तुला	15:40:20	शनि 20/02/2029
शुक्र 10/11/2018	13:52:24	तुला	शुक्र	कन्या	28:13:56	बुध 29/05/2031
सूर्य 17/09/2019	12:44:20	कुंभ	शनि व	कुंभ	15:27:10	केतु 03/05/2032
चन्द्र 15/02/2021	20:32:55	तुला	राहु व	तुला	23:52:56	शुक्र 02/01/2035
मंगल 12/02/2022	20:32:55	मेष	केतु व	मेष	23:52:56	सूर्य 22/10/2035
राहु 01/09/2024	00:31:27	मक	हर्ष व	धनु	29:02:47	चन्द्र 20/02/2037
गुरु 08/12/2026	28:01:33	धनु	नेप व	धनु	27:05:22	मंगल 27/01/2038
शनि 17/08/2029	04:58:33	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	01:39:11	राहु 21/06/2040

लग्न-चलित

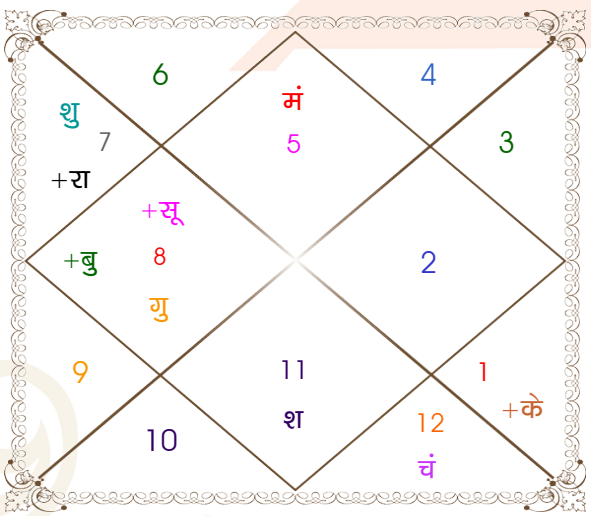

लग्न-चलित

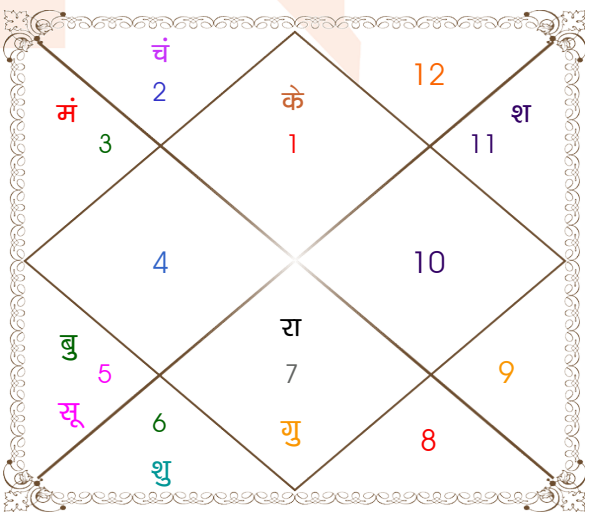

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।